भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
19.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3085 का उत्तर

हजारीबाग और रामगढ़ में रेलवे ट्रैक का दोहरीकरण

3085. श्री मनीष जायसवाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) झारखंड में कुल कितने किलोमीटर में रेलवे ट्रैक का दोहरीकरण पूरा हो चुका है; और

(ख) हजारीबाग और रामगढ़ में रेलवे ट्रैक दोहरीकरण का लक्ष्य कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार/जिला-वार/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र-वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य/जिला/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं की स्वीकृति भारतीय रेल की सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों एवं वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के विस्तार, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, आदिवासी बहुल क्षेत्रों में कनेक्टिविटी

सहित सामाजिक-आर्थिक महत्व के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड तथा धन की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं की लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 52,885 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 3,070 किलोमीटर लंबाई की 32 रेल परियोजनाएं (11 नई लाइनें, 01 आमान परिवर्तन और 20 दोहरीकरण), जिनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं, योजना/अनुमोदन/निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं, इनमें से मार्च 2024 तक 744 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 15,986 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। इनका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	11	1069	156	3549
आमान परिवर्तन	1	159	90	184
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	20	1842	497	12254
कुल	32	3070	744	15986

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	457 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-25	7302 करोड़ रु. (लगभग 16 गुना)

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किया गया नया रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	287 कि.मी.	57.4 कि.मी.
2023-24	124 कि.मी.	124 कि.मी. (2 गुना से अधिक)

रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन-प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, पर्यटन और धार्मिक स्थलों आदि से संपर्कता सहित सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड तथा निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

कोडरमा-हजारीबाग-अरगडा (133 कि.मी.) खंड के दोहरीकरण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। परियोजना की लागत लगभग 2887.11 करोड़ रुपए है। इसके अलावा, रामगढ़ के रास्ते मूरी-बरकाकाना (58 कि.मी.) खंड के दोहरीकरण के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को स्वीकृति दे दी गई है।

परियोजना को मंजूरी देने में राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और अपेक्षित अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। अनुमोदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही समय-सीमा का अनुमान लगाया जा सकता है।

******